शाही ठाठ-बाट से निकली गणगौर माता की सवारी

सिटी पैलेस में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और पूर्व राजपरिवार की महिलाओं ने गणगौर माता का विधिवत पूजन किया

जयपुर। जयपुर की विश्व प्रसिद्ध गणगौर की शोभायात्रा को देखने के लिए शनिवार को जयपुरवासी उमड़ पड़े। चारदीवारी पूरी तरह गणगौर और ईसर के रंग में रंग गई। पहली बार 210 लोक कलाकारों के अलग-अलग समूह ने लोक कला की ऐसी रंगत बिखेरी कि दर्शक निहारते ही रहे। वहीं 32 पारंपरिक लवाजमों के भव्य संयोजन ने गणगौर माता की शाही सवारी में चार चांद लगा दिए।

- बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी के साथ यह महोत्सव अपने अंतिम चरण में प्रवेश करेगा
- सजीधजी झांकियों व पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित कलाकारों ने राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि लोक कला और परंपरा की जुगलबंदी ने शहरवासियों और पर्यटकों को आनंदित कर दिया। सिटी पैलेस में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और पूर्व राजपरिवार की महिलाओं ने गणगौर माता का विधिवत पूजन किया। इसके बाद जनानी ड्योढ़ी से शाही सवारी में पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज, लोक कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियों और बैंड की स्वर लहरियों के साथ लाल वस्त्रधारी कहार माता को कंधों पर उठाकर त्रिपोलिया गेट से चौड़ा रास्ता पहुंचे।

शाही परंपरा के अनुसार गणगौर माता चलायमान सिंहासन पर विराजमान रही।

शाही परंपरा के अनुसार गणगौर माता चलायमान सिंहासन पर विराजमान रही। यहां गणगौर माता के दर्शन के लिए काफी देर से खड़े श्रद्धालुओं ने जयकारों से वातावरण को गूंजायमान कर दिया। सजी-धजी झांकियों और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित कलाकारों ने राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक मार्ग के दोनों ओर एकत्र होकर माता के दर्शन करते नजर आए।

गणगौर माता का श्रृंगार आकर्षण का केन्द्र रहा। माता को लगभग 1.5 किलो के मुकुट, 150 ग्राम के मांग टीका, 900 ग्राम के चंपाकली हार सहित पारंपरिक शाही आभूषणों से अलंकृत किया गया। इसके साथ ही बाजूबंद, हथफूल, कंठी और कमरबंध जैसे आभूषणों ने माता के स्वरूप को और अधिक दिव्य एवं भव्य बना दिया। रत्नों से जड़े इन आभूषणों ने राजसी परंपरा और कारीगरी की उत्कृष्ट झलक प्रस्तुत की।

यह शोभायात्रा सिटी पैलेस की जनानी ड्योढ़ी से प्रारंभ होकर छोटी चौपड़ पहुंची तो उसकी भव्यता देखते ही बन रही थी। लवाजमे का एक छोर जहां छोटी चौपड़ था तो दूसरा छोर त्रिपोलिया गेट था। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं ने कलश धारण कर मंगल गीतों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर गणगौर की सवारी का स्वागत किया गया। तालकटोरा में गणगौर को पानी पिलाया गया। रविवार को बूढ़ी गणगौर की सवारी निकाली जाएगी।

32 पारंपरिक लवाजमों सुसज्जित भव्य सवारी:- इस बार 32 पारंपरिक लवाजमों की भव्य मौजूदगी ने सवारी को और भी आकर्षक बना दिया। सुसज्जित हाथी, ऊंट दल, घोड़े, विक्टोरिया कैरिज और विभिन्न बैंडों की धुनों के बीच पहली बार शामिल शंकर बैंड ने खास आकर्षण पैदा किया।

सवारी के गणगौरी बाजार पहुंचते ही पूरा इलाका मानो लोक उत्सव के चरम पर नजर आया।

महोत्सव का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका लाइव प्रसारण भी रहा, जिसके माध्यम से देश-विदेश में बसे राजस्थानियों ने इस भव्य आयोजन को रियल टाइम में देखा।

रविवार को निकलेगी बूढ़ी गणगौर की सवारी:- अब रविवार को बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी के साथ यह महोत्सव अपने अंतिम चरण में प्रवेश करेगा।

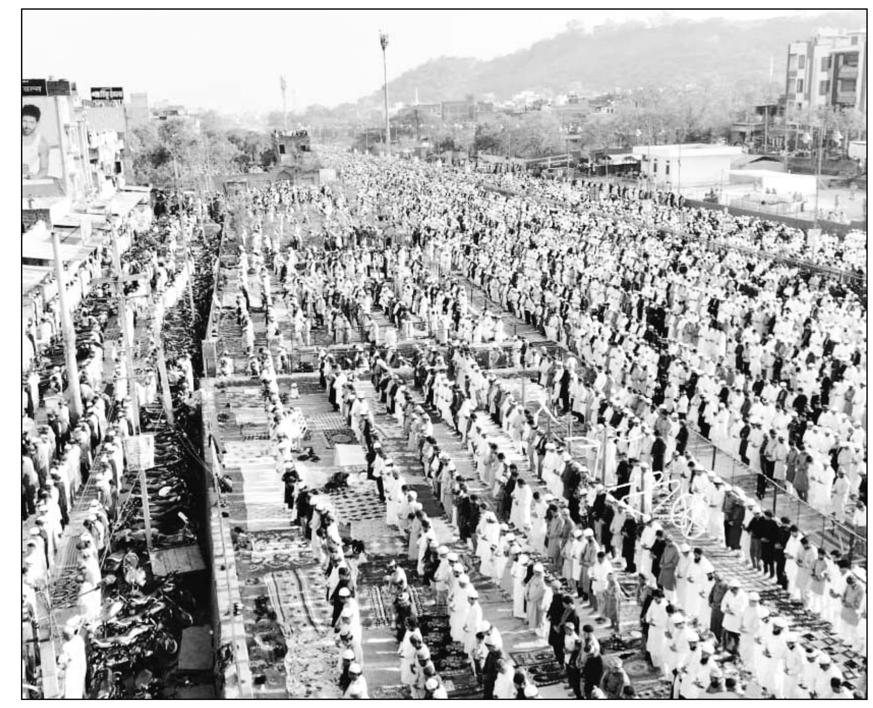

ईद-उल-फितर पर दिल्ली रोड स्थित ईदगाह पर ईद की नमाज अता करते अकीदतमंद।

दिव्यांग छात्रा को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश देने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यूजी-2025 के दिव्यांग कोटे के मेरिट में आई छात्रा को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश देने को कहा है।

अदालत ने कहा कि यदि इस सत्र में सीट खाली नहीं है तो उसे साल 2026 के पाठ्यक्रम में सीट आवंटित की जाए। अदालत ने माना की छात्रा वर्तमान में एम्स, दिल्ली में प्रवेश के लिए पात्र है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश वैष्णवी अग्रवाल की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

- अपीलार्थी की करंट लगने से दायें हाथ ही दो अंगुलियों में स्थाई दिव्यांगता आ गई ऐसे में उसने दिव्यांग कोटे में नीट यूजी-2025 में उसने इस वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, लेकिन मेडिकल कमेटी ने उसे अपात्र घोषित कर दिया था

अपील में अधिवक्ता टीएन शर्मा ने अदालत को बताया कि अपीलार्थी की करंट लगने से दायें हाथ ही दो अंगुलियों में स्थाई दिव्यांगता आ गई थी। ऐसे में उसने दिव्यांग कोटे में नीट यूजी-2025 में आवेदन किया। उसने इस वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, लेकिन प्रवेश के समय एसएमएस अस्पताल की मेडिकल कमेटी ने उसे यह कहते हुए अपात्र घोषित कर दिया कि वह दिव्यांगता के कारण मेडिकल संबंधी काम नहीं कर सकती है।

वहीं अदालती आदेश से दिल्ली के सरफदगंज अस्पताल के मेडिकल बोर्ड ने अपीलार्थी का परीक्षण किया। इसके बाद बोर्ड की ओर से भेजी रिपोर्ट में अपीलार्थी को प्रवेश के पात्र माना गया। इस पर अदालत ने अपीलार्थी को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश देने के आदेश दिए हैं।

फसलों को हुए नुकसान पर लिया संज्ञान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान पर संज्ञान लेकर शुक्रवार देर रात सभी जिला कलक्टर्स को सर्वे करवाकर शीघ्र रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी जिला कलक्टर्स को सर्वे करवाकर शीघ्र रिपोर्ट भेजने के दिए निर्देश

किसानों की हर परिस्थिति में सहायता के लिए पूर्ण संवेदनशीलता के साथ तत्पर है।मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि किसानों की पीड़ा हमारी पीड़ा है। राजस्थान की समृद्धि का आधार हमारे अन्नदाता भाई-बहन हैं। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ किसान भाइयों के साथ दृढ़तापूर्वक खड़ी है।

महिलाओं ने की ईसर गणगौर की पारम्पारिक पूजा

निवाई। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में शनिवार को गणगौर पर्व पर नवविवाहिताओं व कुंवारी कन्याओं ने भारी उत्साह के साथ मंदिरों व घरों में ईसर गणगौर की परम्पारिक पूजा-अर्चना की। राजस्थानी संस्कृति को गौरवमय बनाते हुए इस पावन पर्व पर भी आधुनिकता हावी रही लेकिन परंपरा का भी खास ध्यान रखा गया। प्रतिदिन महिलाओं ने शिव पार्वती स्वरूप ईसर गणगौर की प्रतिमाओं की आस्था के साथ पूजा की।

महिलाएं व कन्याएं सामूहिक होकर गणगौर के गीत गाती हुई मंदिरों में पहुंचकर पूजा की। शनिवार को सुमन गुप्ता, अनिता गुप्ता, मोनिका, राधा, अनु, रश्मि, मेना, दीपा व सोनिया सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयों बारस आयो, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अभिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की झुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चावल से पूजा करके कई अन्य मिष्ठान के पकवानों के साथ गौरी की पूजा की। 16 दिवसीय त्योहार को लेकर लगातार रोजाना कन्याओं एवं महिलाओं द्वारा सामूहिक गीत गाए। गणगौर का अंजूणा विवाहिताओं द्वारा किया गया जिसमें मातृ शक्तियों को आदर के साथ सुहाग व 16 शृंगार की वस्तुएं भेंट कर जलपान करवाया गया। महिलाओं गणगौर की पूजा-अर्चना करके सुहाग की लम्बी आयु व सुख समृद्धि की कामनाएं की।

महिलाओं ने ईसर-गौरा पूजन किया

जयपुर। गुलाबी नगरी शनिवार को सुहाग,श्रद्धा और लोक संस्कृति के अनूठे संगम से सराबोर नजर आई। चैत्र मास की रंगत के बीच ईसर-गणगौर का उल्लास अपने चरम पर रहा। 16 श्रृंगार में सजी धजी महिलाओं ने जब पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर बाग-बगीचों से दूब और पुष्पों का अर्जन किया तो समूचा वातावरण गोर-गोर गोमती, ईसर पूजे पार्वती... के मधुर लोकगीतों से गुंजायमान हो उठा। आस्था और श्रृंगार के इस महापर्व पर सुहागिन महिलाओं ने ईसर-गणगौर के समक्ष विधिवत पूजन कर पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा। वहीं कुंवारी कन्याओं ने मनचाहे वर की कामना के साथ माता गौरी की आराधना की। दूब,जल और सुहाग सामग्री अर्पित करते हुए पारंपरिक गीतों के साथ गणगौर माता का अभिषेक किया गया। घर-घर में स्थापित ईसर-गौरा की प्रतिमाओं के समक्ष दीप-धूप और नैवेद्य के साथ श्रद्धा की महक बिखरी रही। उद्यापन करने वाली महिलाओं ने 16 सुहागिनों को भोजन कराकर और उपहार भेंट कर रीत निभाई।जयपुर में गणगौर केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आमेर रियासत काल से चली आ रही एक भव्य ऐतिहासिक विरासत है। जयपुर के सोडाला की रहने वाली पूजा सैनी ने बताया कि होली के अगले दिन धूलंडी से शुरू होने वाला यह 16 दिवसीय पर्व हर दिन नए उत्साह के साथ मनाया जाता है। लोक परंपरा में ईसर और गणगौर को भगवान शिव और माता पार्वती का स्वरूप माना जाता है, जिनका पूजन दांपत्य सुख और प्रेम का प्रतीक है।

आईपीएस ज्येष्ठा मैत्रेयी ने संभाली सवाई माधोपुर की कमान

जयपुर। राज्य सरकार के आदेशानुसार 2018 बैच की तेज तर्रार आईपीएस अधिकारी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने शनिवार को सवाई माधोपुर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पद का विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्थान पुलिस की प्राथमिकताएं ही सवाई माधोपुर पुलिस की प्राथमिकताएं रहेंगी।

उन्होंने कहा कि टाइगर अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध सवाई माधोपुर में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ पर्यटकों की सुरक्षा, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा तथा नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष फोकस रहेगा।

मध्य प्रदेश के गुना जिले में जन्मी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने अपने जीवन में संस्कार, अनुशासन और मेहनत को आधार बनाया। एक ही प्रयास में आईपीएस बनने वाली ज्येष्ठा आज देशभर के प्रतियोगी छात्रों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। वे दिल्ली सहित देश के विभिन्न मंचों पर युवाओं को सिविल सेवा की तैयारी के लिए मार्गदर्शन देती रही हैं। उनके व्याख्यान केवल परीक्षा तक सीमित नहीं होते, बल्कि जीवन मूल्यों, संघर्ष और आत्मविश्वास का संदेश भी देते हैं। जिले में भी युवाओं व विशेषकर महिलाओं व बच्चियों को मार्गदर्शन प्रदान करने की उनकी मंशा है।

सीआईडी सीबी से स्थानांतरित होकर आई ज्येष्ठा मैत्रेयी अपराध नियंत्रण, साइबर क्राइम पर अंकुश, महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गरीब और जरूरतमंदों की मदद करना उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है, जो उन्हें एक संवेदनशील पुलिस अधिकारी के रूप में अलग पहचान दिलाता है।

पदभार ग्रहण के बाद ज्येष्ठा मैत्रेयी ने कहा कि आमजन से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी अपेक्षाओं को समझना और पुलिस तंत्र को मजबूती देना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने हर जगह पुलिस की मौजूदगी के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक पुलिसकर्मी को संवेदनशील और जवाबदेह बनाकर त्वरित एवं भरोसेमंद सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से महिला घायल

जयपुर। आमेर थाना क्षेत्र के सागर रोड पर शनिवार को तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जबकि स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को अस्पताल पहुंचाया और भागने का प्रयास कर रहे चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार कार तेज गति में थी, जिसके कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे जा रही महिला को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि महिला के हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। घायल महिला को पहले आमेर के राजकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसका उपचार जारी है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कार जब्त कर ली है और मेडिकल जांच सहित मामले की जांच शुरू कर दी है।ट्रैफिक नियमों की अनदेखी के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं।

एक करोड़ की फिरौती के लिए आईटी कंपनी के मालिकों का अपहरण

जयपुर। मुहाना थाना क्षेत्र में आईटी कंपनी के दो मालिकों के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदमाशों ने यूएसडीटी (क्रिप्टो) में निवेश के नाम पर बुलाकर दोनों को अपहरण कर लिया और परिजनों से 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी। हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के चलते करीब ग्यारह घंटे बाद बदमाश दोनों को छोड़कर फरार हो गए।

- एक करोड़ की फिरौती मांग कर ग्यारह घंटे बाद छोड़ा
- यूएसडीटी निवेश के झांसे में बुलाया
- पुलिस दबाव में गलता के जंगलों में छोड़ भागे बदमाश

थानाधिकारी गुर भूपेन्द्र सिंह के अनुसार जगतपुरा निवासी राहुल और दिनेश मानसरोवर स्थित इस्कॉन मंदिर के पास आईटी कंपनी संचालित करते हैं। 19 मार्च की शाम उन्हें कॉल कर यूएसडीटी में निवेश का झांसा दिया गया और मिलने के लिए बुलाया गया। शाम करीब 7 बजे पहुंचते ही 6-7 नकाबपोश बदमाशों ने दोनों को कार में बैठाकर अगवा कर लिया।

बदमाशों ने अपहृत युवकों के मोबाइल से परिजनों को कॉल कर 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी और पैसे लेकर गोनेर बुलाया। सूचना मिलते ही पुलिस ने कंट्रोल रूम के जरिए सक्रियता दिखाते हुए बदमाशों का पीछा शुरू किया। आरोपी गोनेर, हिंगोनिया गौशाला, इंदिरा गांधी नगर, खो नागोरियान, कानोता और बस्सी होते हुए नायला व जामडोली के जंगलों में घूमते रहे।

लगातार पुलिस दबाव के चलते बदमाश शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे दोनों को गलता के जंगल में कार सहित छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से कार जब्त कर ली है और एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं।

9000 वर्ग मीटर जमीन का केस हारा जेडीए

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने टोंक रोड पर एयरपोर्ट प्लाजा स्कीम के पास स्थित 9000 वर्ग मीटर जमीन के मामले में जेडीए की विशेष अपील को खारिज कर दिया है। वहीं खंडपीठ ने एकलपीठ के 6 अगस्त 2009 के आदेश में दखल से इनकार करते हुए उसे बरकरार रखा है।

अदालत ने जेडीए को निर्देश दिया है कि वह राज्य सरकार के 12 मई 2003 व 19 मई 2003 के आदेश को तत्काल लागू करते प्रार्थी साई दर्शन होटल्स एंड मोटल्स के पक्ष में 9000 वर्ग मीटर जमीन का आवंटन आदेश जारी करे। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश जेडीए की अपील पर दिए।

- हाईकोर्ट ने आवंटन पत्र जारी करने के दिए निर्देश

खंडपीठ ने कहा कि एकलपीठ ने प्रार्थी को 15 फीसदी विकसित जमीन प्राप्त करने का अधिकारी माना है जो सही है। खंडपीठ ने माना कि राज्य सरकार अपने ही निर्णयों से पीछे नहीं हट सकती, खासकर तब जब संबंधित पक्ष ने उन पर भरोसा कर अपने मुकदमे वापस ले लिए हो। प्रार्थी कंपनी ने अपनी तरफ से सभी मुकदमे वापस लेकर शर्तें पूरी कर दी थी। ऐसे में उन्हें 15 प्रतिशत विकसित भूमि देना न्यायसंगत होगा। जेडीए की ओर से दलील दी गई कि इस जमीन का आवंटन अवैध तरीके से हुआ है और उसे आर्थिक नुकसान होगा। वहीं जेडीए ने इस मामले में भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया, लेकिन खंडपीठ ने जेडीए की दलीलों को अस्वीकार करते हुए कहा कि इस जमीन के मामले में राज्य सरकार की नीति के अनुरूप आदेश पारित किए गए थे और वे वैध हैं। ऐसे में जेडीए की अपील खारिज किए जाने योग्य है।

खंडपीठ ने मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि कई सालों से इस जमीन का उपयोग जेडीए कर रहा है, जबकि मूल मालिकों या उनके उत्तराधिकारियों को उचित मुआवजा तक नहीं मिला। ऐसे में केवल कोर्ट में पैसा जमा कराना भुगतान नहीं माना जाएगा।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले दंत चिकित्सकों का सम्मान

जयपुर। इंडियन डेंटल एसोसिएशन जयपुर ग्रेटर ब्रांच द्वारा वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे 20 मार्च के अवसर पर इस वर्ष की थीम स्वस्थ मुंह,स्वस्थ जीवन पर होटल फोर पॉइंट्स शेरेटॉन में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे इस थीम को लेकर दंत स्वास्थ्य पर चर्चा की गई साथ ही दंत शल्य क्रिया में हुए नवाचारो के बारे में कार्यक्रम में उपस्थित शहर के दंत चिकित्सकों को जानकारी दी गई । इस अवसर पर दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दंत चिकित्सकों का सम्मान किया गया।राजकीय दंत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ प्रदीप जैन व डॉ विनय कुमार,डीन डेंटिस्ट्री डॉ मनोज अग्रवाल ,राजस्थान डेंटल कौंसिल के अध्यक्ष डॉ एच एल गुप्ता,राजकीय जयपुरिया अस्पताल के दंत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ हरीश भारद्वाज ,वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ अभिलाषा वालिया व डॉ सीमा सोनी का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया । इस अवसर पर डॉ पूजा गुप्ता ,डॉ ,हिमांशु शर्मा ,डॉ गोविंद ,डॉ अंकिता बंसल व डॉ सारिका शेखावत का भी सम्मान किया गया । इस अवसर पर दंत चिकित्सकों द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले चैलेंज के बारे में पैनल डिस्कशन किया गया।

वन राज्य मंत्री ने वन्यजीवों के त्वरित बचाव के लिए रेस्क्यू वाहनों को हरी झंडी दिखाई

एक पेड़ मां के नाम अभियान पर आधारित 'कॉफी टेबल' बुक का विमोचन किया।

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम वन एवं अर्थव्यवस्था रखी गई।

कार्यक्रम के दौरान वन एवं वन्यजीव संरक्षण को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गईं। घायल वन्यजीवों के त्वरित बचाव के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से लैस 5 रेस्क्यू वाहनों को हरी झंडी दिखाई गई। साथ ही योजना के अंतर्गत खरीदी गई 460 मोटरसाइकिलों को भी फील्ड स्टाफ के लिए रवाना किया गया, जिससे दुर्गम क्षेत्रों में निगरानी कार्य सुगम होगा।

इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए वनमित्रों को पेट्रोलिंग किट वितरित की गई।

जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु परियोजना के अंतर्गत राजीविका के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे 600 गांवों के 1200 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे।

कार्यक्रम में डिजिटल प्लेटफॉर्म के नए मॉड्यूल लॉन्च किए गए, जो वन्यजीव आवास निगरानी और कार्बन क्रेडिट प्रबंधन में सहायक होंगे। साथ ही की नई वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया, जिससे पर्यावरण स्वीकृति प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वनकर्मियों को सम्मानित किया गया। मंत्री ने बताया कि 'हरियालो राजस्थान' योजना के तहत पिछले दो वर्षों में 19 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया गया है।

यह आयोजन वन संरक्षण, रोजगार सृजन और तकनीकी नवाचार को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 के ऑडिशन का आयोजन

जयपुर। प्रदेश के प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 के ऑडिशन का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें करीब 500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजक चिराग चौधरी और राकेश कुमार ने बताया कि ऑडिशन में 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग की प्रतिभागियों ने ब्लैक वन पीस ड्रेस कोड में भाग लिया। प्रतिभागियों ने मिमिक्री के जरिए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। चयनित सेमीफाइनलिस्ट्स के लिए तीन दिवसीय विशेष ग्रूमिंग वर्कशॉप आयोजित की जाएगी, जिसमें इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा पोर्टफोलियो शूट, टैलेंट राउंड, योगा, मेडिटेशन, सेल्फ कॉन्फिडेंस और स्टाइलिंग से जुड़े पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 11 अप्रैल को जयपुर होगा। स्थित रामाज रिसॉर्ट में आयोजित होगा। ऑडिशन के दौरान सुपर मॉडल ज्योति पुनिया, सीनियर मॉडल मिताली व्यास और सावित्री रिजॉर्ट पुष्कर के जनरल मैनेजर जसवेंद्र सिंह जूरी मेंबर के रूप में मौजूद रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।

जेईसीआरसी में दो दिवसीय परिसंवाद राजस्थान ज्ञान सभा-208 आयोजित

जयपुर। राजस्थान में शिक्षा के परिदृश्य पर समग्र चर्चा के लिए दो दिवसीय परिसंवाद राजस्थान ज्ञान सभा- 2083 शनिवार को जेईसीआरसी विश्वविद्यालय परिसर में प्रारंभ हुआ। विकसित राजस्थान हेतु शिक्षा विषय पर आयोजित परिसंवाद का उद्घाटन करते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि हमारी शिक्षा मूल्य आधारित होनी चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में भी सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यही है। उन्होंने शिक्षा के साथ संस्कार के समावेश पर जोर देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शिक्षा के विकास में भूमिका पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपराओं में अधिकतम सवालों के जवाब निहित हैं। राजस्थान और देश का भौतिक विकास केवल शिक्षा से ही संभव है। आयुक्त कॉलेज शिक्षा राजस्थान डॉ. ओपी बैरवा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विकास करना है। भविष्य आधारित विकास के लिए शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का समावेश किया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख सुनील सुखदेवभाई मेहता, वाईस चेयरपर्सन जेईसीआरसी विश्वविद्यालय अमित अग्रवाल व

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने 'विकसित राजस्थान हेतु शिक्षा' विषय पर आयोजित परिसंवाद का उद्घाटन किया।

प्रेसिडेंट जेईसीआरसी प्रो. विक्टर गंभीर ने भी शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम के तहत राजस्थान की शिक्षा में संस्कार व्यवस्था: समाज का मौन संविधान- शिक्षा के माध्यम से सामाजिक मूल्यों एवं चरित्र निर्माण की भूमिका विषयक सत्र में अतिरिक्त मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा राजस्थान कुलदीप रांका ने मनुष्य जीवन में शिक्षा के आरंभ से लेकर वर्तमान तक के परिदृश्य पर बात करते हुए कहा कि नए विकास से पूरी संस्कृति प्रभावित होती है और तकनीक के चलते आगामी दिनों में रोजमर्रा के कार्यों में मनुष्य का महत्व कम होता चला जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मूल्य आधारित शिक्षा का महत्व है और मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए हमे सही फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अनुभव आधारित शिक्षण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख सुनील सुखदेवभाई मेहता ने सामाजिक मूल्य एवं चरित्र निर्माण को जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि समाज के प्रति आज संवेदना कम होती जा रही है।